अक्षता के ऐल
व्याख्याता (भाषाई विभाग)
येनेपोया कला,विज्ञान, वाणिज्य और प्रबंधन संस्थान - मंगलूरु

हिंदुस्तान हमारा है...

प्यारे भारतवासियों से कहना है मुझे
मरते दम तक आभारी रहना है तुझे ।
अपनों से मिले प्यार का सागर है यहाँ
मिलजुल कर हमेशा रहना है हमें जहाँ ।
प्यार-घृणा तो रहते हैं यहाँ-वहाँ तरफ
छल कपट द्वेष तो फ़ैला है चारों तरफ।
मर मिटने से पहले समझना है बहुत कुछ
दूसरों के समझाने पर समझो सब कुछ ।
हर इंसान में है इंसानियत अंदर
जागो उसी को अपनाओ निरंतर ।
जो भी हुआ है अनजाने में सही
दुबारा ना करो बार-बार वही ।
जग तो जीवनदान दिया है आपको
यूँ हीं बेकार में मत मिटाओ उसको ।
सोचो समझो अपना लो कुछ बातें
वही तो दे देंगे अच्छी नींद की रातें ।
क्या पता कल सुबह हम रहेंगे या नहीं
जब तक रहेंगे यहाँ कर लो कुछ बातें सही ।
देश प्रेम के बीज बोना है हर आँगन में
हर घर से प्रेम भावना फैलाना है हिंदुस्तान में ।

****